हमारी पवित्रता ऐसी हो जो दूसरों में परिवर्तन ला दे

निजी गुण, कर्म और स्वभाव की समानता के आधार पर महानता

पत्रांक से आगे...

राजयोगी ब्र.कु. जगदीशचन्द्र हसीजा

जैसा कि पिछले अंक में आपने पढ़ा कि डॉक्टर भी जब जाँच करता है तो जुबान देखता है, नब्ज देखता है, थर्मामीटर लगाता है, हाथ पर स्टेथोस्कोप लगाके देखता है और ब्लड टेस्ट करता है, फिर टेस्ट करके कहता है कि आपको फलानी बीमारी है। तो हम लोग भी अपनी पवित्रता की और योग की शक्ति को चेक करें उसकी एक परख तो यह होगी कि उसका दूसरों पर प्रभाव पड़ेगा। अब आगे पढ़ते हैं...

बाबा कहते हैं अपने डॉ. स्वयं बनो, चेक करो अपने को, तो क्या चेकिंग करेंगे, कि पवित्रता कहाँ तक है? बहुत दफा बाबा कहते अनटच्चड कुमारी, जिसको किसी पुरूष ने हाथ न लगाया हो। ऐसी निर्मल, स्वच्छ, किसी को उसकी देह के प्रति ऐसा आकर्षण न हुआ हो। इतनी पवित्रता हो कि दूसरे के मन में भी उसको देखकर कोई अपवित्र संकल्प न आये। गन्दे से गन्दा आदमी हो, बिल्कुल संसार में बदनाम आदमी, बिल्कुल ही दु:चरित्र आदमी वह भी अगर सामने आये देखे तो वह भी समझे कि यह देवी है, शक्ति है। उसका भी विचार बदल जाये, ऐसी पवित्रता हमारी हो कि उसकी अपवित्रता को नष्ट कर दे। हमारी शक्ति इतनी तेज हो कि उसको ध्वस्त कर दे। हमारी पवित्रता का ऐसा प्रभाव पड़े कि स्वयं उसमें भी परिवर्तन आ जाये, यह हमारी पवित्रता की स्टेज हो। और योग की शक्ति हमारी ऐसी हो कि उससे उसके मन को भी शांति का अनुभव हो और उसके मन में यह संकल्प आये कि यह तो देवी है, शक्ति है। अगर ऐसा अभ्यास आपका होता जायेगा तो उसको लाइट का साक्षात्कार होगा।

मैं आत्मा लाइट हूँ वह तो ठीक है लेकिन दूसरे को भी यह अनुभव होने लगेगा कि यह लाइट है, इसके आस-पास लाइट दिखाई दे रही है जिसको औरा या प्रभामण्डल कहते हैं, वह दिखाई देगा। योगियों के सिर के पीछे लाइट दिखाते हैं ना, तो ऐसे दूसरे को भी लाइट दिखाई देगी। चेहरे को देखने के बजाय उस लाइट को देखने लगेगा, यह क्या है, चेहरा गुम हो जायेगा और हल्का-हल्का सा झिलमिल-झिलमिल प्रकाश उसे मालूम पड़ेगा।

तो ब्रह्माकुमार व ब्रह्माकुमारी वह जो ब्रह्मा की संतान है। मुखवंशी है। मुख से पैदा हुए हैं, ब्राह्मण के लिए कहा जाता है जो यज्ञ करे और कराये, पढ़े और पढ़ाये। ब्राह्मण वह है जो दान दे और ले और यज्ञ पवीत(जनेऊ) पहने और पहनाये। यह ब्राह्मणों के कर्म प्रसिद्ध हैं। परन्तु यह स्थूल की बात नहीं है, अभी हम तो इसके अर्थ स्वरूप में टिकते हैं। यज्ञ करें और यज्ञ करायें, दान दें और दान लें, पढ़ें और पढ़ायें, क्या पढ़ें और क्या पढ़ायें? यह जो ईश्वरीय पढ़ाई है, ईश्वरीय पढ़ाई रोज़ कायदे से पढ़ें। गॉडली स्टूडेंट लाइफ इज बेस्ट, जिसको बाबा कहते कि किसी भी दिन मुरली मिस न हो। मुरली सुनने के बाद फिर उसका स्वाध्याय करें। स्वयं उसपर मनन-चिंतन करें। दूसरा अगर किसी ब्रह्माकुमारी ने सारे दिन में किसी को भी ज्ञान नहीं दिया यह तो बात बनी नहीं। जैसे कि स्नान ही नहीं किया। कोई स्नान न करे, उसको कैसे लगता है। वस्त्र चेंज न करे और स्नान न करे तब तक भोजन खाने का मन नहीं करेगा। तो स्थूल सेवाओं के साथ-साथ मुरलीधर भी ज़रूर बनो।

बाबा ने जो मुरली सुनाई जब तक वह आप रिपीट नहीं करोगे, तो वह आपकी बुद्धि में धारण नहीं होगी। जैसे दीप से दीप जगना चाहिए वैसे आपने जो सुना है वह सुनाओ, उसको सुनाये बिना रिफ्रेश नहीं होंगे। अगर हमारे मन में यह दृढ़ संकल्प हो कि हमें किसी न किसी को ज्ञान सुनना ही है, यह ब्राह्मण का कर्त्तव्य है। बाबा के वचन जो सुने हैं, बाबा ने जो हम पर एहसान किये हैं, जो हमें धन दिया है यह बंटना है, यह केवल अपने तक सीमित नहीं रखना है तो कोई ना कोई साधन मिल जाता है।

बैतूल-म.प्र.। माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के बैतूल में आगमन पर तिलक लगाकर व पुष्प भेंट कर उनका स्वागत करने के पश्चात् उन्हें ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्रह्माकुमारीज़ भाग्य विधाता भवन सेवाकेंद्र की संचालिका ब्र.कु. मंजू बहन एवं ब्र.कु. सुनीता बहन। साथ ही माननीय मुख्यमंत्री को ब्रह्माकुमारीज़ के मुख्यालय माउण्ट आबू आने का निमंत्रण भी दिया। इस अवसर पर बैतूल हरदा क्षेत्र के सांसद डी.डी. उइके, बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल, आमला विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे, मुलताई विधायक चंद्रशेखर देशमुख, घोड़ा डोंगरी विधायक बहन गंगा उईके, पूर्व कृषि मंत्री कमल पटेल समेत भाजपा के कई वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता तथा अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पटियाला-पंजाब। ब्रह्माकुमारीज़ की फिल्म 'द लाइट' के प्रीमियर पर पटियाला की महारानी एवं सांसद परनीत कौर को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्रह्माकुमारीज़ की सर्कल प्रभारी ब्र.कु. शांता दीदी। साथ हैं ब्र.कु. राखी, ब्र.कु. शिखा,माउण्ट आबू तथा अन्य।

दुर्ग-छ.ग.। आनंद सरोवर बघेरा में आयोजित शिव दर्शन आध्यात्मिक मेले के उद्घाटन अवसर पर दीप प्रज्वलित करते हुए विधायक गजेंद्र यादव व उनका परिवार, पार्षद नरेश तेजवानी तथा सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. रीता बहन।

राजकोट-रणछोड़नगर(गुज.)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित 'भव्य त्रिवेणी उत्सव' कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए ब्रह्माकुमारीज़ के अति. महासचिव राजयोगी ब्र.कु. बृजमोहन भाई, ब्रह्माकुमारीज़ की गुजरात ज़ोन डायरेक्टर राजयोगिनी ब्र.कु. भारती दीदी, ब्र.कु. अमर बहन, मणिनगर सबज़ोन संचालिका ब्र.कु. नेहा बहन, राजकोट के विधायक रमेश भाई तिलाला, श्री पुरुषार्थ युवक मंडल चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रमुख किशोर भाई राठौड़, बालाजी वेफर्स के मालिक भीखू भाई विरानी, अवधपुरी सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. रेखा बहन, स्थानीय सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. शीतल बहन, शहर के प्रतिष्ठित बिज़नेसमैन, बिल्डर्स तथा अन्य गणमान्य लोग।

गंगटोक-सिक्किम। बागवानी महाविद्यालय में आयोजित 8वें सीएयू अंतर-कॉलेजिएट युवा महोत्सव खेल एवं खेल प्रतियोगिता 2024 में आमंत्रित किये जाने पर ब्र.कु. सोनम बहन ने 'खुशी और शांतिपूर्ण जीवन' विषय पर व्याख्यान दिया तथा इस मौके पर उपस्थित डॉ. अनुपम मिश्रा,माननीय कुलपति,सीएयू,इम्फाल, डॉ. ए.के. पांडे,डीन, तथा प्रोफेसर्स को ईश्वरीय सौगात भेंट की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थीगण मौजूद रहे।

गया-सिविल लाइन(बिहार)। अलौकिक होली स्नेह मिलन समारोह में दीप प्रज्वलित करते हुए प्रमुख चिकित्सक बिरेंद्र कुमार, समाजसेवी विनोद कुमार जसपुरिया एवं सेवाकेंद्र संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. शीला दीदी।

नवापारा-राजिम(छ.ग.)। अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. पुष्पा बहन व ब्र.कु. नारायण भाई।

चंद्रपुर-महा.। पारंपरिक लोक कला संस्कृति उत्सव चंद्रपुर में महाराष्ट्र सरकार द्वारा राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी,निदेशिका,ओआरसी गुरुग्राम एवं अध्यक्षा,आईटी विंग,ब्रह्माकुमारीज़ तथा राजयोगिनी ब्र.कु. चंद्रिका दीदी,अध्यक्षा कला एवं संस्कृति प्रभाग,ब्रह्माकुमारीज़ को 'समाज गौरव' पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

सूरत-गुज.। राजहंस फ्लेमिंगो थियेटर में ब्रह्माकुमारीज़ की फिल्म 'द लाइट' की लॉन्चिंग के अवसर पर मेयर दक्षेश मवानी को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्रह्माकुमारीज़ कतारगाम मुख्य सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. शारदा बहन।